स्नातक हिंदी

(ऑनर्स व शोध)

चार वर्षीय पाठ्यक्रम

(NEP 2020 के अनुसार)

(W.E.F. सत्र : 2024-25)

पाठ्यक्रम

हिंदी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	पृष्ठ संख्या
	अध्ययन मंडल के बैठक का कार्यवृत्त	
1.	Programme Outcomes	2
2.	Programme Specific Outcomes	2-3
3.	पाठ्यक्रम संरचना - BA 1 SEM	4
4.	पाठ्यक्रम संरचना - BA II SEM	5
5.	पाठ्यक्रम संरचना - BA III SEM	6
6.	पाठ्यक्रम संरचना - BA IV SEM	7
7.	स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम - BA 1 SEM	9-19
8.	स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम - BA II SEM	20-33
9.	स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम - BA III SEM	34-45
10.	स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम - BA IV SEM	46-56

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)
चार वर्षीय पाठ्यक्रम
(NEP 2020 के अनुसार)

ProgrammeOutcomes :

PO1 : हिंदी साहित्य के विकास के क्रम में साहित्य और समाज के संबंध को विद्यार्थी साहित्य के इतिहास के माध्यम से समझ सकेंगे। उनमें सकारात्मक चेतना मूर्तमान करने में भी यह पाठ्यक्रम सहायक है।

PO2 : हिंदी का संबंध केवल साहित्य से ही नहीं है, अपितु यह व्यापार की भी भाषा है। आज हिंदी का बाजार काफी समृद्ध है। फलतः बाजार में टिके रहने के लिए हिंदी का ज्ञान होना आवश्यक है।

PO3 : समकालीन समय की आपाधापी में साहित्य विवेक जीवन विवेक को समृद्ध करने में सहायक है,इसकी सहायता से विद्यार्थी नैतिक रूप से स्वयं को उन्नत कर सकते हैं।

PO4 : साहित्यकार साहित्य का निर्माता होने के साथ-साथ संस्कृति और सभ्यता के भी निर्माता होते हैं। कबीर से लेकर रघुवीर तक ने साहित्य की सहायता से सांस्कृतिक विरासत को रूपायित किया है। विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम की सहायता से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और परंपरा की गहरी समझ विकसित कर सकते हैं।

PO5 : साहित्य नया ज्ञान, नवाचार हासिल करने और उज्ज्वल भविष्य गढ़ने में सहायक है।

PO6 : सर्जनात्मक लेखन, नाटक और सिनेमा, कला और डॉक्यूमेंट्री आदि की सहायता से उनमें रचनात्मक क्षमता का विकास संभव हो सकेगा।

Programme Specific Outcomes :

PSO1	साहित्य के ठीक-ठीक अध्ययन के लिए उसके इतिहास का अध्ययन आवश्यक है। विद्यार्थियों में समाज और साहित्य की दशा-दिशा और उसके विकास-क्रम की समझ इतिहास से हासिल होगी। अतीत-बोध की सहायता से भविष्य को निश्चित रूप से बेहतर बनाया जा सकता है। सभ्यता के विकास की कहानी कलाओं में दर्ज रहती है। यह समष्टि की सृजनशीलता का प्रतिफल है। किसी भी देश की सभ्यता समीक्षा इसी आधारशिला पर की जाती है। देश की संस्कृति, सभ्यता, रूढ़ि और परंपराओं से परिचित होने के लिए विद्यार्थियों को कला का ज्ञान होना आवश्यक है। व्यावसायिक क्षेत्रों में सफलता के लिए प्रभावशाली संप्रेषण का विशेष महत्व है। शब्दों को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत कर सकने वाला व्यक्ति ही आज के बाजार में टिकाऊ है। हिंदी भाषा, व्याकरण और रचनात्मक लेखन आदि पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य आधुनिक हिंदी के समृद्ध बाजार में विद्यार्थियों को सफल बनाना रहा है।
PSO2	बीसवीं शताब्दी में मध्यवर्ग के उदय के साथ समाज को देखने के साहित्यिक नजरिए में बदलाव शुरू हो गया। साहित्यमेंआधुनिक युग यथार्थवादी दृष्टिकोण, नैतिकता, आदर्शपरक जीवन-मूल्य, कल्पनाशीलता, वैचारिकता का आग्रह के साथ नानाविध रूपों में मूर्तमान हो उठा। बीसवीं शताब्दी में आए इन बदलावों और नए सामाजिक यथार्थ को समझने के लिए विद्यार्थियों में इंटेंस आकांक्षा पैदा करना इस पाठ्यक्रम का मुख्य आकर्षण है। हिंदी साहित्य की विडंबना यह है कि लोग इसेआधुनिक तकनीक से काटकर देखने के अभ्यस्त हो चुके हैं। इसलिए प्रायः नाटक, निबंध, एकांकी आदि विधाओं के विलुप्त होने के कारण को आलोचक साहित्य के प्रति अरुचि से लगा लेते हैं। दरअसल नाटक, निबंध और एकांकी आदि विधाएँ तकनीक के इस युग में सिनेमा, टेलीविजन, रेडियो और इंटरनेट आदि संचार माध्यमों में हस्तांतरित हो चुकी हैं। इससेहिंदी का प्रभाव और उसका क्षेत्र विस्तृत हुआ है। सिनेमा और मीडिया का अध्ययन और इसतकनीकि युग में हिंदी के योगदान को पाठ्यक्रम में रेखांकित करने की एक विनम्र कोशिश की गई है। हिंदी की भाषिक संरचना का अध्ययन और देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता की पहचान के साथ उसके मानकीकरण की प्रक्रिया इसलिए आवश्यक है क्योंकि यदि कोई विदेशी हिंदी सीखना चाहे, तो भाषा के मानकीकरण के अभाव में कहीं हमारी हिंदी उसके लिए जटिल, क्लिष्ट और दुर्बोध न हो जाए।

PSO3	साहित्य के वातायन में भारतीय चिंतनधारा और पाश्चात्य चिंतनधारा में कोई भेद नहीं है। इसमें सभी चिंताधाराएँ बेरोकटोक आती-जाती रहती हैं। इसलिए स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के पाठ्यक्रम में अलग-अलग चिंतनधाराओं के प्राथमिक स्तर का परिचय इस उद्देश्य से शामिल किया गया है कि विद्यार्थी इसकी सहायता से अपनी विवेक बुद्धि के सहारे कुछ नया चिंतन कर सकें और सामाजिक विकास की दिशा में अपनी अग्रगामी भूमिका निभा सकें। लाभ लोभ की अर्थवादिनी सत्ता और कीर्ति व्यवसायिकता के विरुद्ध आदर्श व्यक्ति का निर्माण करना इस पाठ्यक्रम का अनिवार्य लक्ष्य रहा है।
PSO4	हिंदी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा रहती है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, उसमें होने वाले परिवर्तनों के भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कारणों से परिचित हों। भाषा की संरचना का अध्ययन, शब्द संपदा से विद्यार्थियों को परिचित कराने के मद्देनजर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में भारतीय ग्रामीण समाज की संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारतीय समाज के विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से हिन्दी उपन्यासों का अध्ययन ज्यादा महत्वपूर्ण है। हितोपदेश और नीतिपरक कथाओं के स्थानापन्न मानव विज्ञान और सामाजिक घटनाओं, परिघटनाओं को आधार बनाकर यथार्थ की पहचान कराने वाली कहानियाँ रची गईं। ओटीटी प्लेटफॉर्म, धारावाहिकों, सिनेमा आदि में व्यवसाय के समृद्धतम रूप में आज साहित्य बेहद संभावनाशील है। सूचनाक्रान्ति तथा संचार प्रौद्योगिकी के दौर में मीडिया का महत्वपूर्ण स्थान है। मीडिया में हिंदी की केंद्रीय स्थिति और उसके भविष्य के साथ ही हिंदी के मानकीकरण से यह पाठ्यक्रम बिल्कुल भी अछूता नहीं है। एक ऐसा गद्य जिसमें कविता का स्वाद निहित हो, वह सर्जनात्मक लेखन है। तकनीकि माध्यम से यथार्थ की प्रस्तुति के लिए सर्जनात्मक लेखन की केंद्रीय भूमिका है। साहित्य की विविध विधाओं में सर्जनात्मक लेखन की परंपरा से विद्यार्थियों को अवगत कराने के निमित्त यह प्रश्न-पत्र पाठ्यक्रम में शामिल है।
PSO5	साहित्य मनुष्य की मनुष्यता की अभिव्यक्ति का माध्यम है। मौखिक साहित्य में लोक की सृजनशीलता दृष्टिगोचर होती है। साहित्य को विकसित करने में इसके योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता। परंपरागत रूप से लिखे गए नाटक और एकांकी का अध्ययन इस दृष्टि से प्रासंगिक और संभावनापूर्ण है कि यह न केवल अभिनय के क्षेत्र में अपितु पटकथा लेखन में भी हिन्दी के बाजार और व्यवसाय का रास्ता खोलती है। मनुष्यों और वस्तुओं के प्रति वैचारिक और संवेदनात्मक रूप से समृद्ध होने के लिए निबंध विधा महत्वपूर्ण है। इसकी सहायता से हिन्दी गद्य साहित्य के क्रमिक विकास से भी विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे। यह पाठ्यक्रम छात्रों के भीतर अपने समय और समाज को देखने की एक ऐसी दृष्टि विकसित कर सकेगा जिससे साहित्य का बाजार मसलन् सिनेमा, पटकथा लेखन आदि की क्षमता का विकास संभव हो सकेगा।
PSO6	साहित्यिक पत्रकारिता व्यावसायिक संभावनाओं से युक्त है। आज लगभग हर जिले से कोई-न-कोई साहित्यिक पत्रिका प्रकाशित हो रही है। इससे छात्र साहित्यिक पत्रकारिता के इतिहास और बाजार में उसकी संभावना से महज परिचित ही नहीं होंगे, बल्कि इस क्षेत्र में दक्ष भी हो सकेंगे। कार्यालयी हिन्दी के रचनात्मक स्वरूप को जानने के लिए और दैनिक जीवन में बरतने के लिए प्रयोजनमूलक हिंदी आवश्यक है। हिंदी कविताओं के अध्ययन से छात्र भारतीय इतिहास से परिचित होते हैं। कविता अपने में संगीतात्मकता को समेटे होने के कारण आज सिनेमा बाजार में भी सबसे ज्यादा उपयोगी है। पाठ्यक्रम में शामिल साहित्य संवाद का लक्ष्य साहित्य में विद्यार्थियों की दक्षता और सक्रिय हस्तक्षेप को बढ़ावा देना है।

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

चार वर्षीय पाठ्यक्रम संरचना

(NEP 2020 के अनुसार)

सेमेस्टर – I

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Struc Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks ENDSEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major		हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)		4	30	70	100
Minor		हिंदी कथा साहित्य		4	30	70	100
Multidisciplinary							
MDC		साहित्य और समाज		3	30	70	100
Ability Enhancement Course							
AEC		हिंदी भाषा : सामान्य परिचय		2	30	70	100
Skill Enhancement Course							
SEC		रचनात्मक लेखन		3	30	70	100
Value Added Course							
VAC-1		भारतीय भक्ति परम्परा और मानवीय मूल्य		2	30	70	100
VAC-2				2	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**20**	**210**	**490**	**700**

नोट : VAC 1 में 'पर्यावरण अध्ययन' अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाता है ।

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

सेमेस्टर - II

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Structure Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	ENDSEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major		हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)		4	30	70	100
Minor		हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं		4	30	70	100
Multidisciplinary							
MDC		भारतीय साहित्य		3	30	70	100
Ability Enhancement Course							
AEC		हिंदी भाषा एवं साहित्य		2	30	70	100
Skill Enhancement Course							
SEC		सृजनात्मक लेखन के विविध आयाम		3	30	70	100
Value Added Course							
VAC-1		साहित्य, संस्कृति और हिंदी सिनेमा		2	30	70	100
VAC-2				2	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**20**	**210**	**490**	**700**

नोट : VAC 1 में 'पर्यावरण अध्ययन' अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाता है ।

Vocational Courses (For exit students)							
Vocational Courses		कम्प्यूटर में हिंदी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार		4	30	70	100

सर्टिफिकेट कोर्स के लिए : To be selected from University pool

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

सेमेस्टर - III

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Structure Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks ENDSEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major-1		आदिकालीन और भक्तिकालीन काव्य		4	30	70	100
Major-2		रीतिकालीन काव्य		4	30	70	100
Minor		प्रयोजनमूलक हिंदी		4	30	70	100
Multidisciplinary							
MDC		कला और साहित्य		3	30	70	100
Ability Enhancement Course							
AEC		हिंदी संचार माध्यम		2	30	70	100
Skill Enhancement Course							
SEC		साहित्य और हिंदी सिनेमा		3	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**20**	**180**	**420**	**600**

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

सेमेस्टर - IV

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Structure Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks ENDSEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major-1		भारतीय भाषाओँ की कहानियां		5	30	70	100
Major-2		भाषा विज्ञान		5	30	70	100
Major-3		समकालीन हिंदी कविता		4	30	70	100
Minor		आधुनिक भारतीय साहित्य		4	30	70	100
Ability Enhancement Course							
AEC		हिंदी के व्यावहारिक अनुप्रयोग		2	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**20**	**150**	**350**	**500**

Vocational Courses (For exit students)							
Vocational Courses		नाट्य लेखन और रंगमंच		4	30	70	100

डिप्लोमा कोर्स के लिए **:** To be selected from University pool

Semester I

पाठ्यक्रम

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER I

प्रश्न-पत्र : MAJOR-1

हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

Course Objective:

- हिंदी साहित्य का क्रमबद्ध विकास
- भक्तिकाल की समानांतर प्रवृत्तियाँ
- भक्तिकाल में लोक और शास्त्र का अंतर्द्वंद्व
- भक्ति काव्य का लोक जागरण
- दरबारी काव्य परम्परा

Syllabus Content:

इकाई एक

हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन की दृष्टियाँ और परंपरा
हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएं
हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन : काल विभाजन, सीमा निर्धारण एवं नामकरण।

इकाई दो

आदिकालीन हिंदी साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं परिस्थितियाँ आधार-सामग्री,
आदिकालीन साहित्य की प्रामाणिकता, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ।
सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भ।

इकाई तीन

भक्तिकाल : सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और राजनीतिक परिस्थितियाँ
आलवार संत, प्रमुख सम्प्रदाय, भक्ति आन्दोलन की प्रेरक शक्तियाँ
सगुण भक्ति साहित्य : रामकाव्य परंपरा और कृष्णकाव्य परंपरा।

इकाई चार

निर्गुण भक्ति साहित्य : संत काव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य की विशेषताएँ
भारतीय धर्म साधना और हिंदी संत काव्य, कबीर की सामाजिक चेतना
सूफी प्रेमाख्यानक काव्य का स्वरुप, काव्य-रुढ़ियाँ

इकाई पांच

रीतिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, दरबारी संस्कृति
प्रमुख काव्य धाराएं – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त
रीतिकाल के प्रमुख कवि एवं उनका आचार्यत्व।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- किसी भी तरह के अनुशासन के व्यवस्थित अध्ययन के लिए उसके इतिहास का अध्ययन बेहद आवश्यक है।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास से हमें समाज और साहित्य की संक्रमणकालीन दशा और उसके विकास की दिशा को समझने में मदद मिलेगी।
- साहित्य और समाज का सापेक्ष सम्बन्ध होने के कारण तत्कालीन समाज को समझने में सहायता मिलेगी।
- समाज की लोक परम्परा का ज्ञान बढाने में मदद मिलेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	3	3	3	2	3	1	1	3	2	2
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)
SEMESTER I
प्रश्न-पत्र : MINOR-1
हिंदी कथा साहित्य

Course Objective:

- हिंदी कथा साहित्य का क्रमबद्ध विकास
- कथा साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- कथा साहित्य में आदर्श और यथार्थ
- कथा साहित्य में जनधर्मिता
- कथा साहित्य में बदलता समय और समाज

Syllabus Content:

इकाई एक

हिंदी कहानी का उद्भव और विकास, हिंदी कहानी के तत्व
प्रेमचंद पूर्व हिंदी कहानी,प्रमुख कहानीकार।

इकाई दो

प्रेमचंद युगीन हिंदी कहानी, प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानी
हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास, हिंदी उपन्यास के तत्व।

इकाई तीन

प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास, प्रेमचंद युगीन हिंदी उपन्यास
प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास, प्रमुख उपन्यासकार।

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

दुलाईवाली	: राजेंद्र बाला घोष (बंग महिला)
हार की जीत	: सुदर्शन
बड़े भाई साहब	: प्रेमचंद
पाल गोमरा का स्कूटर	: उदय प्रकाश

इकाई पांच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

गोदान	: प्रेमचंद
गुनाहों का देवता	: धर्मवीर भारती

सहायकग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. कहानी : नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. हिंदी कहानी का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- कथा साहित्य समाज को दिशा निर्देशित करता है।
- समाज के विकास की दिशा और विभिन्न कालावधियों में उसकी प्रवृत्तियों का अध्ययन के लिए आवश्यक है।
- भारतीय इतिहास और समाज के सांस्कृतिक पक्ष को जानना आवश्यक है ।
- कथा जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग है। इसे जानना आवश्यक है ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	2
CO 3	3	3	2	3	1	2	2	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

Semester I

प्रश्न-पत्र : Multidisciplinary

साहित्य और समाज

Course Objective:

- ❖ समय व उसकी विडंबनाओं और अंतर्विरोधों को अभिव्यक्त करता साहित्य न सिर्फ अपने समय का दर्पण होता है बल्कि समाज का एक्स-रे कहना ज्यादा तार्किक होगा।
- ❖ साहित्य की सभी विधाएं समाज का वास्तविक चित्रण करती हैं।
- ❖ साहित्य का अपना समाजशास्त्र होता है जिसे कविताओं और कहानियों के माध्यम से समझा जा सकता है।
- ❖ समकालीन साहित्य में समाज का वास्तविक चित्रण दिखाई देता है।
- ❖ साहित्य के माध्यम समाज की विविध समस्याओं और उसकी प्रासंगिकता को रेखांकित व विश्लेषित करना।

Syllabus Content:

इकाई एक

साहित्य और समाज की अवधारणा

साहित्य और समाजबोध, साहित्य और समाज का अंतर्संबंध

साहित्य का नया सन्दर्भ, साहित्य की समकालीनता

इकाई दो

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

दुष्यंत कुमार : हो गई है पीर पर्वत-सी, गुलमोहर

नीरज : अब तो मजहब कोई ऐसा भी चलाया जाए

इकाई तीन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

निराला : किनारा वो हमसे किये जा रहे हैं

नागार्जुन : प्रेत का बयान

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

स्वयं प्रकाश : बर्थडे

प्रियंवद : खरगोश

इकाई पांच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

दूधनाथ सिंह : नपनी

निर्मल वर्मा : परिंदे

सहायक ग्रंथ :

1. कुछ कहानियाँ कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. एक दुनिया : समानांतर, (सं.) राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विवेक के रंग, देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. रचना भी आलोचना है, काशीनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5. निराला की साहित्य साधना : भाग –2, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. राग-विराग, (सं.) रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes:

- यह प्रश्नपत्र छात्रों के भीतर अपने समय और समाज को देखने की एक ऐसी दृष्टि प्रदान करेगा जिससे साहित्य का बाजार मसलन सिनेमा, पटकथा लेखन आदि की क्षमता का विकास संभव हो सकेगा।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

Semester I

प्रश्न-पत्र : Ability Enhancement Course (AEC)

हिंदी भाषा : सामान्य परिचय

Course Objective:

- हिंदी भाषा की बनावट और बुनावट का ज्ञान भाषागत प्रयोगों की दिशा और दशा को निर्धारित करती है।
- हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों के अलावा अन्य अनुशासनों से जुड़े छात्रों के लिए अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और उसके साहित्य की आधारभूत जानकारी हमेशा अपेक्षित है।
- सामाजिक यथार्थ साहित्यिक लेखन का मुख्य स्रोत है।
- हिंदी भाषा का उच्चारण और वर्णमाला का सामान्य परिचय आवश्यक है।
- हिंदी साहित्य का सामान्य परिचय।

Syllabus Content:

इकाई एक

भाषा : उद्भव एवं विकास, परिभाषा, विशेषताएँ

भाषा और बोली, भाषा के प्रकार—संपर्क भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा।

इकाई दो

देवनागरी लिपि : उद्भव एवं विकास,लिपि सुधार के प्रयास

हिंदी का मानकीकरण।

इकाई तीन

हिंदी के प्रयोजनमूलक संदर्भ : कार्यालयीन हिंदी, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं जनसंचार के रूप में हिंदी।

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

व्यंग्य : विकलांग श्रद्धा का दौर—हरिशंकर परसाई

कविता : अकाल और उसके बाद—नागार्जुन

इकाई पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कहानी : एक टोकरी भर मिट्टी—माधवराव सप्रे

निबंध : मजदूरी और प्रेम—अध्यापक पूर्ण सिंह

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा और समाज, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली
3. कहानी : स्वरुप और संवेदना, राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. विवेक के रंग, देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
5. कहानी : नई कहानी, डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कुछ कहानियां कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी वैज्ञानिकता से अनिवार्य रूप से अवगत हों।
- भाषा को ध्यान में रखकर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।
- भाषा के बनने में व्याकरण के उपसर्ग, प्रत्यय एवं अन्य अवयवों का ज्ञान, नवीन परिवर्तनों के शब्दों को गढ़ने और भाषा को प्रभावशाली रूप में ढालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
- भाषा का अपना एक समाज होता है। समाज की निर्मिति को बेहतर तरीके से प्रदर्शित करने के लिए भाषा का ज्ञान आवश्यक है।
- हिंदी भाषा की सामाजिकता और वैज्ञानिकता से परिचित हो सकेंगे।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	2	2	3	3	2	2	2	3
CO 4	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

Semester I

प्रश्न-पत्र : Skill Enhancement Course (SEC)

रचनात्मक लेखन

Course Objective:

- व्यावसायिक रचनात्मक लेखन की संभावना।
- जनरुचियों के परिष्करण और उसके अनुसार हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मकता की आवश्यकता।
- साहित्य में विविध विधाओं में जनभाषा की रचनात्मक संभावना।
- रंगमंच लेखन हेतु उपयोगी।
- रेडियो, दूरदर्शन में रचनात्मक लेखन की मांग।

Syllabus Content:

इकाई एक

रचनात्मक लेखन : स्वरुप एवं सिद्धांत, जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति

लेखन के विविध रुप : मौखिक एवंलिखित, पद्य, गद्य : कथात्मक एवं कथेतर।

इकाई दो

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कविता : चम्पा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती—त्रिलोचन

समय की शिला पर— शम्भुनाथ सिंह

इकाई तीन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कहानी : नपनी— दूधनाथ सिंह

अनुपस्थित— देवेंद्र

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

व्यंग्य : जीप पर सवार इल्लियाँ —शरद जोशी

निबंध : युद्ध और नारी— महादेवी वर्मा

इकाई पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

नाटक : एक और द्रोणाचार्य—शंकर शेष

सहायक ग्रंथ:

1. आस्था और सौन्दर्य, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भवन्ती, अज्ञेय, राजपाल एंड संस, दिल्ली
3. एक साहित्यिक की डायरी, गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. एक कवि की नोटबुक, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कविता का जनपद, अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7.मंडी में मीडिया, विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

8. हिन्दी पत्रकारिता, कृष्ण बिहारी मिश्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- संचार माध्यमों के निर्णायक प्रभाव के इस समय में साहित्य का बाजार तमाम धारावाहिक, कथानकों की प्रस्तुति और सोशल मीडिया में रचनात्मक लेखन का आज सबसे ज्यादा महत्त्व है।
- जीवन-मूल्यों को निर्मित करने वाला भारतीय वाङ्मय आज के बाजार में संचार माध्यमों के द्वारा अपने बाजार मूल्य की प्रचुर सम्भावनाओं को समेटे है।
- भाषा की रचनात्मकता व साहित्य के सापेक्ष उसकी उपादेयता को रेखांकित किया जा सकेगा।
- भाषा के सौंदर्य पक्ष और जनभाषा के तौर पर उसकी सामाजिक उपादेयता को रेखांकित करना।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

Semester I

प्रश्न-पत्र : Value Added Course (VAC 2)

भारतीय भक्ति परम्परा और मानवीय मूल्य

Course Objective:

- भारतीय भक्ति की महान परंपरा, प्राचीनता और इसके अखिल भारतीय स्वरुप से छात्रों का परिचय कराना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को जगाकर उनका चारित्रिक विकास करना और एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करना।
- छात्रों को भारतीय नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत करना।

Syllabus Content:

इकाई एक

भारतीय भक्ति परंपरा : भक्ति अर्थ और अवधारणा
भक्ति के विभिन्न संप्रदाय और सिद्धांत

इकाई दो

भारत की सांस्कृतिक एकता और भक्ति
भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप

इकाई तीन

भारत के प्रमुख भक्त और उनके विचार
आण्डाल, मीराबाई, तुलसीदास, कबीरदास, रैदास औरगुरु नानक

इकाई चार

भारत के प्रमुख भक्त और उनके विचार
सूरदास, जायसी, नामदेव, नरसी मेहता,चैतन्य महाप्रभु, सारला दास एवंशंकरदेव

इकाई पांच

मानव मूल्य और भक्ति
मानव मूल्य का अर्थ

सहायक ग्रन्थ :

1. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, संपादक डॉ नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
2. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, शिव कुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
3. मानव मूल्य और साहित्य, डॉ. धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 1999
4. भक्ति के आयाम, डॉ. पी. जयरामन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. मध्यकालीन हिंदी काव्य का स्त्री पक्ष, डॉ. पूनम कुमारी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली
7. मध्यकालीन हिंदी भक्ति काव्य : पुनर्मूल्यांकन के आयाम, डॉ. पूनम कुमारी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को विकास होगा और वे एक अच्छे और चरित्रवान मनुष्य बना सकेंगे।
- भारतीय भक्ति परंपरा के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्षों की जानकारी हो सकेगी।
- भक्ति की प्राचीनता और अखिल भारतीय स्वरूप की जानकारी से राष्ट्रीयता और अखिलभारतीयता की भावना जागृत और मजबूत होगी।
- प्रमुख भक्त कवियों का परिचय और उनके विचारों की जानकारी हो सकेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes :

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

- Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

Semester II

पाठ्यक्रम

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)
SEMESTER II
प्रश्न-पत्र : MAJOR -1
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Course Objective:

- नवजागरण की पृष्ठभूमि।
- हिंदी साहित्य में आधुनिकता की अवधारणा।
- गद्य विधा का विकास और यथार्थवाद।
- हिंदी कविता में राष्ट्रीयता की भावना।
- स्वाधीनता की कामना।

Syllabus Content:

इकाई एक

आधुनिक काल : सामान्य परिचय, राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
आधुनिकता की अवधारणा और हिंदी नवजागरण

इकाई दो

हिंदी गद्य का उद्भव और विकास, हिंदी के विकास में प्रमुख संस्थानों की भूमिका
हिंदी नवजागरण में पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका

इकाई तीन

भारतेंदु युग : भारतेंदु मंडल और उनके युग के लेखक, समस्या पूर्ति, लोक चेतना
द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, राष्ट्रीय काव्यधारा एवं स्वच्छंदतावादी काव्यधारा के प्रमुख कवि

इकाई चार

छायावाद : छायावादी काव्य की विशेषताएँ, छायावादी काव्य के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ।
प्रगतिवाद : प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उनके प्रमुख कवि।
प्रयोगवाद और नयी कविता, समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक)।

इकाई पाँच

हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास
अस्मितामूलक विमर्श : स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी गद्य का इतिहास, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण की समस्याएँ, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. छायावाद, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का इतिहास वास्तव में आधुनिक भारत के इतिहास का भी अध्ययन है।

- प्रथम स्वाधीनता संघर्ष से लेकर आजादी और फिर उसके बाद के राजनीतिक उतार चढ़ाव की समग्र सामाजिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि का ब्यौरेवार अध्ययन है।
- भारत के बनते हुए सांस्कृतिक इतिहास को साहित्य के माध्यम से समझने में मदद मिलेगी।
- आधुनिकता और उत्तर आधुनिक समाज के सापेक्ष समाज और साहित्य के अंतर्संबंधों प्रदर्शित किया जा सकेगा।
- साहित्य की सहायता से सामाजिक संवेदनाओं की समझ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	3	2	3	2	3	3	3	3	2	2	3
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

- Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER II

प्रश्न-पत्र : MINOR -1

हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

Course Objective:

- नवजागरण की पृष्ठभूमि।
- हिंदी गद्य का विकास।
- आधुनिक साहित्य के सरोकारों से परिचय।
- जीवन के नानाविध प्रसंगों की मुखर अभिव्यक्ति।
- सामाजिकता की जगह वैयक्तिकता का स्थानापन्न।

Syllabus Content:

इकाई एक

हिंदी निबंध : उद्भव एवं विकास, विविध प्रकार
निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
धर्मवीर भारती : ठेले पर हिमालय
विवेकी राय : उठ जाग मुसाफिर

इकाई दो

संस्मरण एवं यात्रा वृत्तांत : सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास
निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
महादेवी वर्मा : भक्तिन
अज्ञेय : अरे यायावर रहेगा याद

इकाई तीन

रेखाचित्र : सामान्य परिचय, अर्थ, परिभाषा और तत्व
निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
श्रीराम शर्मा : स्मृति ('शिकार' रेखाचित्र से)

इकाई चार

जीवनी एवं आत्मकथा : सामान्य परिचय और विकास
रिपोर्ताज, व्यंग्य एवं डायरी

इकाई पाँच

जीवनी, आत्मकथा एवं संस्मरण : उदाहरण, भेद और अंतर
रेखाचित्र और संस्मरण में अंतर

सहायक ग्रन्थ :

1. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. आधुनिक हिंदी गद्य का विकास और विश्लेषण, विजयमोहन सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
4. हिंदी कथेतर गद्य : परंपरा और प्रयोग, दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- सामाजिकता की जगह वैयक्तिकता के स्थानापन्न के कारणोंकी समझ विकसित करना।
- तत्कालीन समाज व्यवस्था में निर्देशित सामाजिक मूल्यों के अध्ययन की सहायता से सुसंस्कृत समाज की स्थापना।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।
- स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आशाओं और आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि मिलेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	2	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER II

प्रश्न-पत्र : MULTIDISCIPLINARY (MDC)

भारतीय साहित्य

Course Objective:

- भारतीय भाषा और साहित्य से परिचय।
- सांस्कृतिक विविधता एवं एकता की समझ।
- भारतीय साहित्य में अनुवाद का कौशल-विकास।
- साहित्य सृजन की संभावना।
- समाज बोध का विकास।

Syllabus Content:

इकाई एक

भारतीयता की अवधारणा एवं भारतीय साहित्य का स्वरुप

राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता।

इकाई दो

भारतीय साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता

भारतीय संस्कृति एवं समाज बोध।

इकाई तीन

भारतीय साहित्य और संस्कृति।

भारतीय साहित्य में वैचारिक एवं भावनात्मक एकता।

इकाई चार

भारतीय भाषाओं का काव्य (व्याख्या एवं समीक्षा)

सीताकान्त महापात्र (ओड़िया) - सांझ सवेरा

(लौट आने का समय काव्य संग्रह से, अनुवादक- डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)

सुब्रमण्यम भारती (तमिल) - चमक रहा उतुंग हिमालय

(अनुवादक- अनिल जय विजय)

इकाई पांच

भारतीय भाषाओं के गद्य साहित्य का अध्ययन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

हयवदन (नाटक- गिरीश कर्नाड)

पाषाणी (कहानी- रवीन्द्रनाथ टैगोर)

सहायक ग्रन्थ :

1. भारतीय साहित्य, लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रमिला अवस्थी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. भारतीय साहित्य, राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, डॉ. नगेंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रकाशन
4. भारतीय साहित्य की अवधारणा, राजेंद्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, इंदौर
5. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त करना।
- विद्यार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन से सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा।
- भारतीय साहित्य की विधाओं से परिचय प्राप्त कर भारतीय साहित्यिक परंपरा से जुड़ना।
- संबंधित विषय में अध्यापन और शोध कार्य की संभावना।
- भारतीय राष्ट्रीय एकता को समझते हुए लोकतंत्र को सुदृढ़ करना।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	2	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER II

प्रश्न-पत्र : ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC)

हिंदी भाषा एवं साहित्य

Course Objective:

- हिंदी भाषा की बनावट और बुनावट का ज्ञान भाषागत प्रयोगों की दिशा और दशा को निर्धारित करती है।
- हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों के अलावा अन्य अनुशासनों से जुड़े छात्रों के लिए अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और उसके साहित्य की आधारभूत जानकारी हमेशा अपेक्षित है।
- सामाजिक यथार्थ साहित्यिक लेखन का मुख्य स्रोत है।
- हिंदी भाषा का उच्चारण और वर्णमाला का सामान्य परिचय आवश्यक है।
- हिंदी साहित्य का सामान्य परिचय।

Syllabus Content:

इकाई एक

भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ, भाषा और बोली, हिन्दी भाषा का विकास,
भाषा और साहित्य।

इकाई दो

स्वर सन्धि,व्यंजन सन्धि,
कारक, प्रत्यय एवं उपसर्गों का परिचय।

इकाई तीन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
साहित्य-खंड (कहानी)
हार की जीत : सुदर्शन
गुंडा : जयशंकर प्रसाद।

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
साहित्य-खंड (कविता)
शासन की बन्दूक : नागार्जुन
भिक्षुक : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
साँप : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

इकाई पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
साहित्य-खंड (निबंध)
श्रद्धा और भक्ति : आचार्य रामचंद्र शुक्ल

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
2. सामान्य हिंदी एवं संक्षिप्त व्याकरण, डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, यूनिकॉर्न बुक्स
3. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका, बाबू राम सक्सेना, रामनारायण प्रहलाददास प्रकाशन

4. चिंतामणि (भाग-1), आचार्य रामचंद्र शुक्ल, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग

Course Learning Outcomes:

- विद्यार्थियों को भाषा एवं साहित्य का ज्ञान प्राप्त होगा जिससे वे निःसंकोच अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रकट कर सकेगा।
- जनसंचार के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की संभावना।
- समय और समाज केबदलाव की पहचान।
- विद्यार्थियों में संभाषण कला का विकास करना।
- सामाजिक विडम्बना और यथार्थ की स्थितियों का ज्ञान।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	2	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

- Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER II

प्रश्न-पत्र : SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयाम

Course Objective:

- साहित्य की विविध विधाओं में सर्जनात्मक लेखन की शुरुआत।
- तकनीकी माध्यम से यथार्थ की प्रस्तुति।
- काव्यात्मक गद्य का आस्वाद निहित है।
- पत्रकारिता लेखन से परिचय।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की जानकारी।

Syllabus Content:

इकाई एक

रिपोर्ताज़ : अर्थ, स्वरुप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य विधाएँ।

इकाई दो

फीचर लेखन : विषय-निर्धारण,लेखन-प्रविधि।

सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवंखेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

इकाई तीन

साक्षात्कार (इण्टरव्यू-भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि एवंमहत्व ।

स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और नियमित पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन।

इकाई चार

दृश्य-सामग्री : छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि से सम्बद्ध लेखन ।

इकाई पांच

बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, आँचलिक पत्रकारिता।

सहायक ग्रंथ :

1. मंडी में मीडिया, विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मीडिया लेखन और संपादन कला, डॉ. गोविन्द प्रसाद, अनुपम पांडेय, डिस्कवरी पब्लिशिंग हॉउस, नई दिल्ली
3. ईश्वर की आँख, उदय प्रकाश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रचना का अंतरंग, देवेंद्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. उत्तर आधुनिक कथा लेखन और मनोहर श्याम जोशी, डॉ. राजेश मिश्र, युगांतर प्रकाशन, दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- दैनिक समाचार पत्रों, साप्ताहिक पत्रिकाओं, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, स्तम्भ लेखन और सर्जनात्मक लेखन आदि का स्पेस पहले से ज्यादा बढ़ा हुआ है।
- कंटेंट राइटिंग के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण है।

- भाषा का समाज के सापेक्ष अध्ययन संभव होगा।
- रेडियो और दूरदर्शन में फीचर लेखन।
- दृश्य और श्रव्य माध्यम का कौशल विकास।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER II

प्रश्न-पत्र : VALUE ADDED COURSE 2

साहित्य, संस्कृति और हिंदी सिनेमा

Course Objective:

- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करना।
- छात्रों को नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना।
- भारतीय ज्ञान परंपरा, वैज्ञानिक दृष्टि कोण और तार्किक क्षमता को प्रोत्साहित करना।
- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना।
- सामूहिक कार्यों के माध्यम से सम्प्रेषण, प्रस्तुतीकरण एवं कौशल दक्षता विकसित करना।

Syllabus Content:

इकाई एक

साहित्य, संस्कृति और हिंदी सिनेमा का सामान्य परिचय।
साहित्य, संस्कृति और सिनेमा का अंतःसंबंध।

इकाई दो

साहित्यिक कृतियों पर आधारित हिंदी सिनेमा
रजनीगंधा (1974) : फिल्म की समीक्षा एवं परिचय

इकाई तीन

हिंदी सिनेमा में मध्यवर्ग,सिनेमा में नायकत्व की अवधारणा, सिनेमा और आंचलिकता
गर्म हवा (1974), तीसरी कसम (1966) : : फिल्म की समीक्षा एवं परिचय

इकाई चार

हिन्दी सिनेमा में सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति
दिलवाले दुल्हनिया ले जाएँगे (1995) : फिल्म की समीक्षा एवं परिचय

इकाई पांच

सिनेमा : उद्योग एवं कला का सम्बन्ध
लापता लेडीज (2024) : फिल्म की समीक्षा एवं परिचय

सन्दर्भ सूची :

1. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, (सं.) डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
2. मानव मूल्य और साहित्य, डॉ. धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का इतिहास, आ. रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली
6. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, जवरीमल्ल पारख, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

Course Learning Outcomes :

- भारतीय संस्कृति के जीवंत मूल्यों का संरक्षण
- सामाजिक रुढ़ियों और अंधविश्वासों को दूर करने में सहायक

- नवीन मूल्यों की स्थापना
- फिल्म उद्योग और कला से परिचय
- सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER II

प्रश्न-पत्र : VOCATIONAL COURSES- 1

कम्प्यूटर में हिंदी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार

Course Objective:

- कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली का परिचय।
- नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता।
- हिंदी भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता।
- कार्यालयी भाषा के अनुप्रयोग की समझ।
- औपचारिक एवं प्रयोजनमूलक हिंदी के कार्यशैली की जानकारी

Syllabus Content:

इकाई एक

कार्यालयीन हिन्दी का स्वरुप, उद्देश्य एवं क्षेत्र

- कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य
- कार्यालयीन कार्यकलाप की सामान्य जानकारी
- हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भ:कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, जनसंचार माध्यम आदि । राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान।

इकाई दो

हिन्दी के शब्द संसाधन (कम्प्यूटर टंकण)

देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स, यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.पी.टी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्स्ट एवंटेक्स्ट टू स्पीच ।

हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकायें, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय, आभासी कक्षाएं

इकाई तीन

कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली

शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

कार्यालयीन हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक, विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली

इकाई चार

कार्यालयीन हिन्दी पत्राचार : आवेदन पत्र, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालयीन आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, कार्यालयीन ज्ञापन, विज्ञापन, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र

प्रारुपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिंदी कामानकीकरण

प्रारुपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारुपण लेखन की पद्धति

टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर

इकाई पांच

कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि अनुप्रयोग

कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास
विराम चिह्न, अशुद्धि-संशोधन एवं प्रूफ शोधन

प्रायोगिक कार्य

कम्प्यूटर टाइपिंग, फॉण्ट का ज्ञान ।
हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की-बोर्ड,देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स ।
यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.टी.पी., पोस्टर निर्माण, स्पीच-टू-टेक्स्ट एवंटेक्स्ट-टू-स्पीच ।
हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ,दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय ।

संदर्भ ग्रन्थ

1. रामचंद्र सिंह सागर, कार्यालय कार्य-विधि, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली
2. डॉ. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. दंगल झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्वांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. डॉ. माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कैलाशचन्द्र भाटिया, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरुप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
6. विजयकुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. संतोष गोयल, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रो. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- कंप्यूटर एवं कार्यालयी भाषा की समझ
- प्रयोजनमूलक हिंदी के कार्यविधि एवं अनुप्रयोग का कौशल
- जनसंचार और हिंदी के पारिभाषिक तत्वों की पहचान
- कंप्यूटर में हिंदी के अनुप्रयोग की दक्षता
- कंप्यूटर और हिंदी की रोजगारपरक संभावनाएं

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

Semester III

पाठ्यक्रम

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)
SEMESTER III
प्रश्न-पत्र : MAJOR -1
आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य

Course Objective:

- ❖ आदि काव्य की पृष्ठभूमि।
- ❖ भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि ।
- ❖ हिंदी साहित्य का विकास।
- ❖ संत काव्यधारा में मानवीय मूल्य।
- ❖ खड़ी बोली हिंदी का विकास।

Syllabus Content:

इकाई एक

आदिकालीन काव्य : आदिकालीन काव्य की पूर्वपीठिका, अपभ्रंश काव्य, रासो काव्य, लौकिक काव्य,

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो (कयमास वध)

इकाई दो

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

अमीर खुसरो : पहेलियाँ और मुकरियाँ।

विद्यापति : पदावली—1 से 5 पद। (विद्यापति : संपादक डॉ. शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई तीन

भक्तिकालीन काव्य : भक्ति काव्य की पूर्वपीठिका, भक्तिकाव्य की काव्य-प्रवृत्तियाँ।

संत काव्य धारा (निर्गुण ज्ञानाश्रयी शाखा) : सामान्य परिचय

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना : कबीर—पद संख्या 160-165 [कबीर : सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी]

इकाई चार

सूफी काव्य धारा (निर्गुण प्रेममार्गी शाखा) : सामान्य परिचय

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना : जायसी—नागमती वियोग खण्ड [जायसी ग्रंथावली : सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल]

इकाई पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

रामभक्ति शाखा (सगुण काव्यधारा) : तुलसीदास—रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड) (गीता प्रेस, गोरखपुर)

पद :
1. रहेउ एक दिन अवधि अधारा। समुझत मन दुख भयउ अपारा।।
2. दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि व्यापा।।
3. सब उदार सब पर उपकारी। विप्र चरन सेवक नर नारी।।
4. परहित सरिस धर्म नहीं भाई। पर पीड़ा सम नहिं अधमाई।।
5. ग्यान पंथ कृपान कै धारा। परत खगेस होई नहिं बारा।।

कृष्णभक्ति शाखा (सगुण काव्यधारा) : सूरदास—भ्रमरगीत सार (संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

पद :
1. आयो घोष बड़ो व्योपारी। लादि खेप गुण ज्ञान-योग की ब्रज में आय उतारी।
2. जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहैं। यह ब्यौपार तिहारो ऊधो ऐसोई फिर जैहै।।
3. आए जोग सिखावन पांड़े । परमारथी पुराननि लादे ज्यों बनजारे टांड़े।।

4. हम तौ दुहूं भांति फल पायो। जो ब्रजनाथ मिलैं तो नीको नातरु जग जस गायो।।

5. लरिकाई कौ प्रेम, कहौ अलि, कैसे, करिकै छूटत ?

सन्दर्भ सूची :

1. भक्ति काव्य और लोक जीवन, शिवप्रसाद मिश्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वियन निदेशालय, दिल्ली
2. मानव मूल्य और साहित्य, डॉ. धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
3. हिंदी साहित्य के संक्रमण की भूमिका, डॉ. राजेश मिश्र,पिल्ग्रिम्स प्रकाशन, वाराणसी
4. मध्यकालीन बोध का स्वरुप, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- कवि परंपरा के बदलाव की पहचान
- खड़ी बोली हिंदी के स्वरूप का परिचय
- संत एवं भक्ति काव्य परंपरा में मानवीय मूल्यों की पड़ताल
- प्रमुख काव्य परम्पराओं के संक्रमण की स्थितियों का ज्ञान
- आदि एवं मध्ययुगीन काव्य के सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का परिचय

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)
SEMESTER III
प्रश्न-पत्र : MAJOR-2
रीतिकालीन काव्य

Course Objective:

- रीति काव्य परंपरा।
- दरबारी काव्य की अवधारणा।
- सामंतवादी काव्य मूल्य।
- रीतिकालीन लोक काव्य।
- कवियों का आचार्यत्व, लक्षण एवं लक्ष्य ग्रन्थ।

Syllabus Content:

इकाई एक

रीतिकालीन काव्य : सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि,
रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व
रीतिकाव्य के भेद (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) लक्षण और प्रवृत्तियाँ,
प्रमुख रीतिकालीन कवि।

इकाई दो

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
बिहारी : सामान्य परिचय
बिहारी सतसई : दोहा संख्या 1 से 5 (सं.- जगन्नाथ दास रत्नाकर)
घनानंद : सामान्य परिचय
घनानंद कवित्त : दोहा संख्या 1 से 5 (सं.- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

इकाई तीन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
रसखान : सामान्य परिचय
सुजान रसखान (सं.- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)
पद : 1. मानुष हौं तौ वही रसखान
2. सेष, गनेस, महेस, दिनेस
3. लाय समाधि रहे ब्रह्मादिक योगी
4. गुंज गरै सिर मोरपखा

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
शेख आलम : सामान्य परिचय
पद : 1. जा थल कीन्हें बिहार अनेकन
2. लता प्रसून डोल बोल
3. दाने की न पानी की
4. कर्म को बियापी को है

इकाई : पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

केशवदास : सामान्य परिचय

रामचंद्रिका : अंगद रावण संवाद

सन्दर्भ सूची :

1. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरुप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. रीति-काव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास (षष्ठ भाग), सं. डॉ. नगेन्द्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
4. हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिंदी रीति साहित्य, भागीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. हिंदी साहित्य के संक्रमण की भूमिका, डॉ. राजेश मिश्र, पिल्ग्रिम्स प्रकाशन, वाराणसी

Course Learning Outcomes :

- दरबारी काव्य प्रवृत्ति के वैभव कापरिचय
- श्रृंगार के विविध अवयवों का ज्ञान
- रीति की लोकव्याप्तिऔर शास्त्रीय स्वरुप की पहचान
- लोक कवियों के जीवनानुभवों का ज्ञान
- अशरीरी प्रेम के आनुभूतिक संवेदना की पहचान

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER III

प्रश्न-पत्र : MINOR -1

प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Objective:

- दैनिक व्यवहार के लिए उपयोगी।
- भाषा और लेखन में सुधार।
- वर्णमाला और उच्चारणगत शुद्धता।
- भाषा और बोली का परिचय।
- कार्यालयी भाषा और साहित्यिक भाषा का अनुप्रयोग।

Syllabus Content :

इकाई एक

हिन्दी भाषा : उद्‌भव और विकास

भाषा की विशेषताएँ, हिन्दी का मानकीकरण, भाषा और बोली : स्वरुप और अंतर ।

इकाई दो

मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी :

सम्पर्क भाषा एवं राजभाषा के रुप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी।

इकाई तीन

प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार :

कार्यालयी हिन्दी, तकनीकी हिन्दी, व्यावसायिक हिन्दी, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) में हिन्दी।

इकाई चार

भाषा व्यवहार :

सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन, पल्लवन और संक्षेपण, पत्र-लेखन ।

इकाई पाँच

शब्द ज्ञान :

शब्द शुद्धि, पर्यायवाची, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द, पारिभाषिक शब्दावली

सहायक ग्रन्थ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, अलका प्रकाशन, कानपुर
3. हिंदी उर्दू और हिन्दुस्तानी : पद्मसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. अनुवाद और उत्तर आधुनिक अवधारणाएं : श्री नारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग से परिचय।
- कार्यालयी हिंदी के रचनात्मक स्वरुप को विकसित करने की संभावना।

- हिंदी के व्यावसायिकता की संभावना विकसित हो सकेगी।
- साहित्यिक हिंदी की रचनात्मकता का ज्ञान।
- अनुवाद के माध्यम से वैश्विक परिदृश्य की समझ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER III

प्रश्न-पत्र : MULTIDISCIPLINARY

कला और साहित्य

Course Objective:

- भारतीय नाट्य परम्परा का ज्ञान
- रंगमंच की सामाजिक भूमिका
- कला और रचना के अन्तःसम्बन्ध
- नुक्कड़ नाटकों की व्यावसायिक संभावना
- साहित्यिक विधाओं की सामाजिकता

Syllabus Content :

इकाई एक

कला के रुप और सौन्दर्य, कला और समाज का चित्रण

कला के शाश्वत तत्व, लोक साहित्य की अवधारणा

इकाई दो

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

मास्टर : नागार्जुन(कविता)

जिस भी दिन बिछड़ गया प्यारे : भारत भूषण (कविता)

इकाई तीन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

भोर का तारा : जगदीश चन्द्र माथुर (एकांकी)

पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद (कहानी)

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

गुल की बन्नो : धर्मवीर भारती (कहानी)

बदबू : शेखर जोशी (कहानी)

इकाई पांच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

क्या तुमने कभी कोई सरदार भिखारी देखा ? : स्वयं प्रकाश (कहानी)

आँगन में बैंगन : हरिशंकर परसाई (निबंध)

सहायक ग्रंथ :

1. काव्य कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद, डायमंड पाकेट बुक्स, नई दिल्ली
2. चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. यथार्थवाद – डॉ. शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनका युग – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

6. नई कविता और अस्तित्ववाद – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- कला के विविध रुपों का अध्ययन मूलतः सभ्यता के विकास का अध्ययन है, जिसमें लोक के सुख-दुःख, उल्लास और वेदना की भावाभिव्यक्ति होती है।
- यह मूलतः समष्टि की सृजनशीलता का परिणाम है।
- कला का लिखित रुप कालान्तर में साहित्य के रुप में जाना गया, जो व्यष्टि की सृजनशीलता का परिणाम है।
- साहित्य का अध्ययन समाज और इतिहास का अध्ययन है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	2	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)
SEMESTER III
प्रश्न-पत्र : ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC)
हिंदी संचार माध्यम

Course Objective:

- ❖ सूचना और जनसंचार का ज्ञान
- ❖ विज्ञापन की व्यावसायिक संभावना
- ❖ फिल्मों की सामाजिक भूमिका
- ❖ साहित्यिक विधाओं की सामाजिकता
- ❖ ज्ञान और सूचना का सामंजस्य

Syllabus Content :

इकाई एक

प्रिंट मीडिया

प्रिंट मीडिया का सामान्य परिचय, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार

इकाई दो

इलेक्ट्रानिक मीडिया

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का सामान्य परिचय, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हिंदी

इकाई तीन

विज्ञापन मीडिया

विज्ञापन लेखन के प्रमुख तत्व, विज्ञापन के क्षेत्र में मीडिया का महत्व

इकाई चार

फिल्म समीक्षा

पटकथा लेखन : परिचय और स्वरुप, फिल्म समीक्षा के सामाजिक उपादान

इकाई पांच

पुस्तक समीक्षा

समीक्षा लेखन के प्रमुख तत्व, सामग्री संकलन और विश्लेषण, पुस्तक समीक्षा की सावधानियाँ

सहायक ग्रंथ :

1. पटकथा लेखन, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मीडिया और हिन्दी : बदलती प्रवृत्तियाँ, सं. रवीद्र जाधव, केशव मोरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विज्ञापन की दुनिया, कुमुद शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
4. पुस्तक समीक्षा का परिदृश्य, सं. शिवनाथ प्रसाद तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रिंट मीडिया लेखन, डॉ. हरीश अरोड़ा, के के पब्लिकेशन, नई दिल्ली
6. मीडिया जनतंत्र और आतंकवाद, सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. फिल्म पत्रकारिता, विनोद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- ➢ सूचनाक्रान्ति तथा संचार प्रौद्योगिकी के रुप में आधुनिकता की पहचान।
- ➢ हिंदी पत्रकारिता का इतिहास स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका, उसका स्वरुप और उसकी चुनौतियों का रेखांकन।
- ➢ आज के युग में संचार माध्यम की भूमिका का अध्ययन इस पाठ्यक्रम के माध्यम से संभव हो सकेगा।

- संचार माध्यम के नाना रूपों में हिंदी की संभावनाओं से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।
- हिंदी संचार माध्यमों की व्यवसायिकता की पहचान हो सकेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	1	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	2	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)
SEMESTER III
प्रश्न-पत्र : SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)
साहित्य और हिंदी सिनेमा

Course Objective:

- ❖ साहित्य और सिनेमा का सम्बन्ध
- ❖ संवेदना का सिनेमाई रुपांतरण
- ❖ मनोरंजन माध्यमों में हिंदी का बाजार
- ❖ लोकतंत्र, साहित्य और सिनेमा
- ❖ भूमंडलीकरण और सिनेमा

Syllabus Content :

इकाई एक

सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति।

इकाई दो

हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, समानांतर सिनेमा, भूमंडलीकरण और हिन्दी सिनेमा।

इकाई तीन

साहित्य और सिनेमा : अंतरसंबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रुपान्तरण और तकनीक।

इकाई चार

फिल्म समीक्षा

आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या।

1947 से 1970 : मदर इंडिया, तीसरी कसम।

इकाई पांच

फिल्म समीक्षा

1970 से 1990 : गर्म हवा, शोले, आँधी।

1990 से अद्यतन : तारे जमीं पर, थ्री इडियट्स, मुन्नाभाई एम.बी.बी.एस.।

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय सिनेमा का इतिहास, अनिल भार्गव, सिने साहित्य प्रकाशन, जयपुर
2. हिन्दी सिनेमा – आदि से अनंत, प्रह्लाद अग्रवाल, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
3. पटकथा लेखन, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कथा-पटकथा, मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सिनेमा समय, विष्णु खरे, अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- ➢ साहित्य की एक नयी विधा के रुप में सिनेमा का विकास।
- ➢ सिनेमा के रुप में आज इसका बहुत बड़ा बाजार भी है।

- स्क्रिप्ट राइटिंग का क्षेत्र के माध्यम से हिंदी की व्यावसायिक संभावना।
- सामाजिक एवं साहित्यिक परिवर्तनों का फिल्मों में रुपांतरण।
- भारतीय लोकतंत्र को संरक्षित और परिवर्धित करने में सिनेमा की भूमिका।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	2	2	3
CO 3	3	3	2	3	2	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

Semester I

पाठ्यक्रम

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER IV

प्रश्न-पत्र : MAJOR I

भारतीय काव्यशास्त्र

Course Objective:

- ❖ काव्यशास्त्र की सुदीर्घ परंपरा का अध्ययन
- ❖ विविध सम्प्रदायों का मूल्यांकन
- ❖ आचार्यत्व की परंपरा
- ❖ नाट्य एवं काव्य परंपरा का अध्ययन
- ❖ हिंदी काव्यशास्त्र का ज्ञान

Syllabus Content :

इकाई एक

काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन ।

विविध काव्य सम्प्रदायों का परिचय ।

इकाई दो

रस सिद्धान्त : रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण ।

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि की अवधारणा, ध्वनियों का वर्गीकरण ।

इकाई तीन

अलंकार सिद्धान्त : अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों कावर्गीकरण।

रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीतियों का वर्गीकरण ।

इकाई चार

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।

औचित्य सिद्धान्त : औचित्य की अवधारणा, औचित्य के भेद ।

इकाई पांच

हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास : सामान्य परिचय ।

संदर्भ सूची :

1. भारतीय काव्य-शास्त्र की परंपरा, डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. भारतीय काव्य-शास्त्र की भूमिका, डॉ. नगेंद्र, ओरिएण्टल बुक डिपो, दिल्ली
3. संस्कृत आलोचना, बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
4. काव्यशास्त्र- भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Course Learning Outcomes :

- ➢ भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन मूलतः हमारी भारतीय संस्कृति के शास्त्र का अध्ययन है।
- ➢ संस्कृति में होने वाले परिवर्तनों का प्रभाव काव्यशास्त्रियों के भिन्न चिंतन और उनकी चिंताओं का इतिहास है।
- ➢ काव्य के शास्त्रीय स्वरुप का ज्ञान
- ➢ काव्यशास्त्रीय सम्प्रदायों का तुलनात्मक अध्ययन
- ➢ काव्य और साहित्य के दर्शन तथा विज्ञान का अध्ययन

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	3	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	2	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER IV

प्रश्न-पत्र : MAJOR II

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

Course Objective :

- भाषा की संरचना का अध्ययन
- भाषा के अवयवों का अध्ययन और विश्लेषण
- भाषा के विकास की प्रकृति और शब्द भण्डार
- भाषा-बोली की विशेषताओं का अध्ययन
- भाषा की विविध स्थितियों का परिचय

Syllabus Content :

इकाई एक

भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।

भाषा विज्ञान : परिभाषा, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध ।

इकाई दो

स्वनिम विज्ञान : स्वन, परिभाषा, वागीन्द्रियाँ।

स्वनों का वर्गीकरण : स्थान और प्रयत्न के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।

इकाई तीन

रुपिम विज्ञान : शब्द और रुप (पद), पद विभाग : नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।

वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।

इकाई चार

अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई पांच

राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रुप में हिन्दी।

देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।

सहायक ग्रन्थ :

1. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, जोधपुर
3. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु, पराग प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

Course Learning Outcomes :

- भाषा की संरचना और परिवर्तन के कारणों का ज्ञान
- भाषा के सामाजिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक स्वरुप का अध्ययन।
- भाषा की सामान्य विशेषताओं का परिचय
- लिपि और उसकी संवैधानिक स्थिति की जानकारी

- भाषा के व्याकरण और साहित्य से विद्यार्थियों का सामान्य परिचय।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER IV

प्रश्न-पत्र : MAJOR III

समकालीन हिंदी कविता

Course Objective :

- समकालीन कविता की पृष्ठभूमि
- स्वाधीनता आन्दोलन और उसके उपरांत भारतीय समाज, संस्कृति और राजनीति का बोध
- जीवनानुभव, पीढ़ियों का अंतराल एवंमहायुद्धों से उपजी स्थितियों की जानकारी
- काव्यभाषा और शिल्प का ज्ञान
- विभिन्न धाराओं के कवियों की काव्य संवेदना

Syllabus Content :

इकाई एक

समकालीनता की अवधारणा, आपातकाल और हिंदी कविता, समकालीन कविता : भूमंडलीकरण, साम्प्रदायिकता और पर्यावरण, समकालीन हिंदी कविता का लोकतांत्रिक स्वरुप, समकालीन हिंदी कविता का अस्मितामूलक स्वर, समकालीन हिंदी कविता और आलोचना।

इकाई दो

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

रघुवीर सहाय : रामदास, कुंवर नारायण : एक अजीब दिन, वीरेन डंगवाल : इतने भले नहीं बन जाना साथी।

इकाई तीन

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

आलोकधन्वा : सफेद रात, श्रीकांत वर्मा : कोसल में विचारों की कमी है, धूमिल : मोचीराम।

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

अनामिका : बेजगह, कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चंपा, नीलेश रघुवंशी : हंडा ।

इकाई पांच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

जसिंता केरकेट्टा : सभ्यताओं के मरने की बारी, मलखान सिंह : सफेद हाथी, निर्मला पुतुल : गजरा बेचने वाली स्त्री।

सहायक ग्रन्थ :

1. समकालीन कविता का व्याकरण, परमानंद श्रीवास्तव, शुभदा प्रकाशन, दिल्ली
2. कविता की संगत, विजय कुमार, आधार प्रकाशन, पंचकूला
3. कविता और समय, अरुण कमल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. एक कवि की नोटबुक, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- बीसवीं सदी में भारतीय समाज के मध्यवर्ग की प्रभावी भूमिका।
- समाज के यथार्थवादी दृष्टिकोण, नैतिकता, आदर्शपरक जीवन-मूल्य, कल्पनाशीलता, वैचारिक आग्रह आदि का अध्ययन
- समकालीन काव्य के शिल्प विधान का ज्ञान।

- समकालीन काव्य पर ऐतिहासिक, सामाजिक और राजनीतिक प्रभावों की जानकारी।
- समकालीन कविता के सौन्दर्यबोध तथा समाजबोध की समझ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	3	3	1	2	2	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER IV

प्रश्न-पत्र : MINOR 1

आधुनिक भारतीय साहित्य

Course Objective :

- ❖ स्वाधीनता संग्राम के अखिल भारतीय स्वरुप का अध्ययन
- ❖ नवजागरण का साहित्य पर प्रभाव
- ❖ राष्ट्रीयता बोध की पहचान
- ❖ भारतीय दर्शन के साहित्यिक स्वरुप की पहचान
- ❖ भारतीय साहित्य की आधुनिक रचनात्मकता के सरोकार

Syllabus Content :

इकाई एक

स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव

भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता

इकाई दो

महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

इकाई तीन

पाठ्य पुस्तकें :

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

संस्कार (उपन्यास) : यू. आर. अनंतमूर्ति

नौका डूबी (कहानी) : रवींद्र नाथ टैगोर

जंगली बूटी (कहानी) : अमृता प्रीतम

इकाई चार

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

संस्कार (नाटक) : गिरीश कर्नाड

इकाई पाँच

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

स्वतंत्रता (तमिल कविता) : सुब्रमण्यम भारती

अंतिम ऊंचाई (हिंदी कविता) : कुँवर नारायण

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक भारतीय कविता – सं. डॉ. अवधेश नारायण मिश्र, डॉ. नंदकिशोर पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रस्साकशी– वीरभारत तलवार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतेन्दु हरिश्चंद और नवजागरण – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण– डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. संस्कृति के चार अध्याय– रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
6. समय और संस्कृति– श्यामाचरण दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- भारतीय साहित्य से परिचय।
- भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता संग्राम के अखिल भारतीय स्वरूप का अध्ययन।
- भारतीय साहित्य के सौन्दर्यबोध की पहचान।
- भारतीय वैविध्यता को एक्यता में देखने की दृष्टि का विकास।
- आधुनिक रचनात्मकता और समाजबोध की चेतना का परिचय

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	3	3	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)

SEMESTER IV

प्रश्न-पत्र : ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC)

हिंदी के व्यावहारिक अनुप्रयोग

Course Objective :

- ❖ परंपरागत हिंदी पाठकों का मनोरंजन के नए माध्यमों से जुड़ाव
- ❖ फिल्म की भाषा और लेखन का ज्ञान
- ❖ पीढ़ियों के बदलाव और नए समाजबोध का अध्ययन
- ❖ सूचना और ज्ञान में अंतर की पहचान
- ❖ सोशल मीडिया के नए उपादानों का ज्ञान

Syllabus Content :

इकाई : एक

हिंदी सिनेमा : दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, हिंदी मीडियम,मसान

इकाई : दो

सोशल मीडिया : ब्लॉग लेखन, वेब पत्रिकाएँ, हिंदवी और यूट्यूब

इकाई : तीन

हिंदी के धारावाहिक : पंचायत - वेबसीरीज़

इकाई : चार

ई-लेखन : भाषा प्रौद्योगिकी : मशीनी अनुवाद, गूगल मीट, गूगल अनुवाद, स्ट्रीम यार्ड, जूम, यूनिकोड इत्यादि

इकाई : पांच

समाचार चैनल : बस्तर टॉकीज और अन्य आँचलिक चैनल

सहायक ग्रंथ :

1. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रज़ा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सिनेमा समय : विष्णु खरे, अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी सिनेमा के सौ बरस : कमला प्रसाद पाण्डेय, साहित्य भण्डार, इलाहाबाद
5. उत्तर आधुनिक कथा लेखन और मनोहर श्याम जोशी, डॉ. राजेश मिश्र, युगांतर पब्लिकेशन, दिल्ली
6. कथा-पटकथा, मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- ➢ बाजार-मूल्य और जीवन-मूल्य के टकरावों का अध्ययन।
- ➢ बाजार की भाषा के रुप में हिंदी।
- ➢ परम्परागत हिंदी के बाज़ार का मूल्यांकन।
- ➢ हिंदी सिनेमा, सोशल मीडिया, धारावाहिक, आँचलिक समाचार चैनल आदि माध्यमों में हिंदी का बाजार विकसित करना।
- ➢ रोजगारपरक विज्ञापन की भाषा का निर्माण।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	2	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स व शोध)
SEMESTER IV
प्रश्न-पत्र : VOCATIONAL COURSES- 2
नाट्य लेखन और रंगमंच

Course Objective :

- नाटकों एवं एकांकियों का अभिनय ।
- फिल्म की भाषा और लेखन का ज्ञान
- पीढ़ियों के बदलाव और नए समाजबोध का अध्ययन
- सूचना और ज्ञान में अंतर की पहचान
- सोशल मीडिया के नए उपादानों का ज्ञान

Syllabus Content :

इकाई : एक

नाट्य साहित्य एवं रंगमंच की अवधारणा

नाट्य साहित्य : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार

रंगमंच की अवधारणा एवं प्रकार

नाटक एवं रंगमंच का अंतःसंबंध

इकाई :दो

नाट्य लेखन का इतिहास और भारतीय नाट्यपरंपरा

भारतीय नाट्य परम्परा

लोक नाट्य परम्परा

इकाई :तीन

नाट्य लेखन प्रविधि

संवाद लेखन का वैशिष्ट्य

रंग निर्देशों की उपयोगिता

इकाई :चार

हिन्दी रंगमंच की विकास यात्रा एवं हिन्दी रंगमंच की विविध शैलियाँ

स्वातंत्र्य पूर्व हिन्दी रंगमंच

स्वातंत्र्योतर हिन्दी रंगमंच

हिन्दी रंगमंच की प्रमुख शैलियाँ : शैलीबद्ध, यथार्थवादी, एब्स, लोक शैली

इकाई : पांच

रंगमंच एवं अभिनय

अभिनय, रंग स्थापत्य, रंग सज्जा, ध्वनि एवं प्रकाश, संगीत, रुप सज्जा एवं वेशभूषा, रंग शिल्प एवं निर्देशन

प्रायोगिक कार्य

नाटकों एवं एकांकियों का अभिनय।

कहानियों का नाट्य रुपांतरण।

समसामयिक विषय पर स्वतंत्र नाट्यलेखन एवं मंचन।

क्षेत्रीय स्तर पर रंग संस्थाओं, निर्देशकों एवं रंगकर्मियों का परिचय/ साक्षात्कार।

सहायक ग्रंथ :

1. जैन, नेमिचन्द, "रंग दर्शन" राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

2. सिंह, डॉ बच्चन, “हिंदी नाटक”, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. कुमार, डॉ. सिद्धनाथ, “रेडियो नाटक की कला”, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. तनेजा, डॉ. जयदेव, “मोहन राकेश : रंगशिल्प और प्रदर्शन”, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. गौतम, विकल, “हिंदी नाटक रंग शिल्प दर्शन”, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. खुशलानी, डॉ. भारत, “बदलते परिवेश के एकांकी”, राजमंगल प्रकाशन, अलीगढ़
7. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, द्विवेदी, पृथ्वीनाथ, “नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरुपक”, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. परिहार, नीतू, “हिंदी नाट्य साहित्य और रंगमंच”, हिमांशु पब्लिकेशन, नयी दिल्ली
9. पाण्डेय, डॉ. रामजी, “भारतीय नाट्य-सिद्धांत : उद्भव और विकास”, बिहार-राष्ट्रभाषा परिषद् , पटना
10. मिश्र, ज्योतीश्वर, “स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक मूल्य-संक्रमण”, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- अभिनय क्षमता के विकास से थियेटर में व्यवसाय की प्रचुर संभावनाएं।
- नए परिवेश में नाटक और एकांकी की उपयोगिता का अध्ययन।
- न सिर्फ अभिनय के क्षेत्र में बल्कि पटकथा लेखन में भी रोजगार की संभावना।
- नाट्य परंपरा के इतिहास का अध्ययन।
- पारसी थियेटर, जात्रा, नाचा, लीला आदि का संरक्षण और अध्ययन।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	2	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly